

आभाकारकाथि

१. ४४३

I

५

वीर्यवर्धनीयदीर्घायुः ॥

इगुरुवानि २ देवीसुन्दरामुनि
नाथनरुमसुनगमिदेवीइग
रुवानि ॥ धृ ॥ माथललीटक
नकमदुक्कुलुलमुनि ॥ धृ
रिनी २ चन्द्रवदनकमलन
यनगिरुवनसुखधारी २ ॥ धृ
काञ्चनमणिभायुनधनी ॥ धृ
गमिमनुवानि २ रुननीगल
आगिलीगलमानसचसजाज

हसनो २ जाजिन गोत्र मुकुमा
 लाह सुखर्जन च कयाल २ धम
 हृदय माहि जी अमि कामलम
 धुवानि २ ॥ धु ॥ द स्वमदल २
 य अमून च द मुन्द च वी ३ २
 सुमामुन मदि या सुन चि नर
 य २ पाव नाधनी २ आधन मुग
 वा ३ कवन न वा ३ थु ३ उप
 न २ रवेल सुन न च मुलि सवध

चनागन चक्राव चमा नि २ ॥ धु ॥
 दक्षिण काली धर्म
 जननी मा ३ रग नि म स्व उ क
 नूतन कालिका ॥ धु ॥ नपाल
 दक्षिण संगुया द थु स विद्या क
 मुखान या द्र उ न चि ला क ॥ सी
 हल अदि खान अमि धा ला वान
 ला क मुद माला गल स धा ला
 क ॥ धु ॥ लया मुदु क सी न सुय

वागललागिरवप्रजानागोदेष्यमा
 क ॥ ध्यानालस्रधनयाकनन
 आमानुचयाक आनन्दनदना
 उविद्याक ॥ ध्रु ॥ चिसेवनया
 कदउमृनिजननचलाक रग
 निनचिन्मयूजायाक ॥ अचला
 यापूजारुस्यनचलाकमाश्रया
 स्यथथमिउवासथउथाम
 ॥ ध्रु ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

मिथुनाथधार्म

डयानिथुनाथधरवजडयानि
 रूवनयानाथ ॥ ध्रु ॥ सिनस
 गडाद्राकडरासचरुकला
 म्यवजामडुचिसमान ॥ वि
 रुमिझसवस्यवादनदाल
 गस्यमूलसपाचवनीमस्य ॥
 ध्रु ॥ डउनठम्बनूखडान
 निधूलजानाउचसन्विद्या
 क ॥ नागयानिसाथायथाय

थासन्नियाउअनिष्ठाताला
क॥धु॥नन्दिहिन्दियथम
गणपतिमूनकानलथअथ
स॥गुलिकगुनयारवंद्राय
किद्राकअनविहन्नकिपा
लिमवास॥धु॥

उ वक्ष्येऽप्यन्यदप्युच्यते सूत्रमनुजगले
युष्मन्माना रिचुया प्रवक्ष्यादिगुहानां
रुयमथनकनी सर्वयागारिहाजा
कालाघाकानमूर्ति युक्तनिरुयहजा
ध्वसनध्वसनीया दाजिदाव्याधिमुष्ण
सकलरुयहजा यागुवापञ्चयज्ञा ॥
सकलसुभकुशलमस्तु चित्रायुज
सुहोमंचगहादिपस्तु नैध्वयमस्तु
जियुक्तयपस्तु सन्तानवृद्धि जिनरुक्मि

पस्तु ॥ आयु वृद्धि उ ॥ वृद्धि वृद्धि
यस्तु सुगमथा ॥ आयु आयुग्य
धन जन गुण सन्तान सन्तुभस्य
वृद्धिरस्तु ॥ ॥ निध्वय ॥
वाग ॥ वृग्मजमामि ॥ गाल ॥ वा ॥
धीवेकवीदवी सुवक्ष्वाहमा २
विरुवजननी वरुचक्र हस्ता ॥
क्षु ॥ नमामिष्टोदवावर्षुयुपिनी
दवी २ विजयी महालमष्टास
मुख ॥ क्षु ॥ कीदन्तिपमना

महासुखदाता २ कृदम्बवृक्षराज
निवामिनिधा ॥ कु ॥ रुक्मयह
पना नाजलदः स्वा २ रुक्मवनिपु
जादः सुनूतुपसिद्धिम् ॥ कु ॥
रुनयी मरुगुपुष्पाद २ धाजदा
प्रिददः स्वहजलीदवी ॥ कु ॥
जाग ॥ जामकजी ॥ माल ॥ माउ
सुयनिमहिममलुलवक् उच्छि
मच्छु यनाक विनाम २ सुयनि
नादिन नुर्यमनक नदुननगी

नवपुनवनाग्य ॥ १ ॥ ननाङ्क २
 ननाङ्क नङ्कङ्कङ्क २ यंचवुडालाक
 सर्वयज्ञाय यज्ञङ्क नाटकुचिन्नु
 कुदिव्य २ ऊग्रहि उक्क महासूना
 मा नृन्यनिगीनवपुनवनाग्य २
 धावक्यान् मस्थितिरिङ्क माथ
 चपिंचपवाधिगुल्लक २ नसुनि
 दानरुवयुस्वयम् वचनियना
 नऊगापपिभाचिन ननाकुड २
 वाधिविरावनयाविपत्रिनमृदुस्यना
 ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥



স্বাস্থ্য সনদ কাথি

1883

I

ASHA ARCHIVES